PTEC

# Monthly NEWS LETTER

Volume 2 October, 2025 Issue 6

शिक्षण अभ्यास (Practice Teaching) एक प्रशिक्षण कॉलेज के प्रशिक्षणार्थियों के लिए उनके पेशेवर विकास का एक अत्यंत महत्वपूर्ण और अनिवार्य हिस्सा है। यह उन्हें वास्तविक कक्षा के वातावरण में सैद्धांतिक ज्ञान को व्यावहारिक कौशल में बदलने का अवसर प्रदान करता है।

इसके महत्व को निम्नलिखित बिंदुओं से समझा जा सकता है:

1. **सैद्धांतिक ज्ञान का व्यावहारिक अनुप्रयोग:** प्रशिक्षणार्थी कॉलेज में जो शिक्षण सिद्धांत, विधियाँ और रणनीतियाँ सीखते हैं, शिक्षण अभ्यास उन्हें उन सिद्धांतों को वास्तविक कक्षा की स्थितियों में लागू करने का मौका देता है। वे सीखते हैं कि विभिन्न शिक्षण-अधिगम सामग्री (TLM) का उपयोग कैसे करें और छात्रों को कैसे संलग्न करें।

2. **आत्मविश्वास का निर्माण:** पहली बार कक्षा में पढ़ाना चुनौतीपूर्ण हो सकता है। शिक्षण अभ्यास धीरे-धीरे प्रशिक्षणार्थियों में आत्मविश्वास पैदा करता है। जैसे-जैसे वे पढ़ाते हैं, प्रतिक्रिया प्राप्त करते हैं और अपने कौशल में सुधार करते हैं, उनका आत्मविश्वास बढ़ता है।

3. **कक्षा प्रबंधन कौशल का विकास:** प्रभावी कक्षा प्रबंधन एक सफल शिक्षक की कुंजी है। शिक्षण अभ्यास प्रशिक्षणार्थियों को छात्रों के व्यवहार को प्रबंधित करने, एक सकारात्मक सीखने का माहौल बनाने और अनुशासन बनाए रखने के लिए विभिन्न तकनीकों का अभ्यास करने का अवसर प्रदान करता है।

4. **पाठ योजना और वितरण कौशल:** प्रशिक्षणार्थी प्रभावी पाठ योजनाएँ बनाना सीखते हैं जो छात्रों की जरूरतों और सीखने के उद्देश्यों के अनुरूप हों। वे यह भी सीखते हैं कि इन योजनाओं को स्पष्ट, आकर्षक और प्रभावी तरीके से कैसे वितरित किया जाए।

5. **मूल्यांकन तकनीकों का अनुभव:** शिक्षण अभ्यास के दौरान, प्रशिक्षणार्थी छात्रों के सीखने का आकलन करने के लिए विभिन्न मूल्यांकन विधियों (जैसे formative और summative आकलन) का उपयोग करना सीखते हैं। वे प्रश्न पत्र बनाना, उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन करना और प्रतिक्रिया देना सीखते हैं।

6. **व्यक्तिगत और व्यावसायिक पहचान का विकास:** वास्तविक कक्षा के अनुभव के माध्यम से, प्रशिक्षणार्थी एक शिक्षक के रूप में अपनी व्यक्तिगत शिक्षण शैली और पेशेवर पहचान विकसित करना शुरू करते हैं।

7. **वास्तविक चुनौतियों का सामना करना:** उन्हें विभिन्न प्रकार के छात्रों, सीखने की कठिनाइयों और अप्रत्याशित कक्षा की स्थितियों का सामना करना पड़ता है। यह अनुभव उन्हें भविष्य की चुनौतियों के लिए तैयार करता है।

7. **शिक्षक-छात्र संबंध स्थापित करना:** प्रशिक्षणार्थी सीखते हैं कि छात्रों के साथ सौहार्दपूर्ण संबंध कैसे स्थापित करें, उनकी जरूरतों को कैसे समझें और उनके सीखने की प्रक्रिया में कैसे सहायता करें।

संक्षेप में, शिक्षण अभ्यास एक सेतु का काम करता है जो सैद्धांतिक तैयारी को वास्तविक पेशेवर अभ्यास से जोड़ता है। यह प्रशिक्षणार्थियों को एक प्रभावी और आत्मविश्वासी शिक्षक बनने के लिए आवश्यक अनुभव, कौशल और आत्मविश्वास प्रदान करता है।

संपादक मंडल

## शिक्षण अभ्यास का अनुभव

यह मेरा पहला शिक्षण अभ्यास रहा जिसमें बच्चों को सिखाने और मुझे भी सीखने का अवसर मिला। विद्यालय के शिक्षकों एवं बच्चों का भरपूर सहयोग मिला, जिससे पठन-पाठन का कार्य में सरलता हुई। जब मैं किसी विषय बस्तु को अच्छी तरह से समझा नहीं पा रहा था तो उस विषय बस्तु को विषय शिक्षक पुनः कक्षा में आकर रामझा दे रहे थे और मुझे पढ़ाने में सहयोग किये, जिसका मैं आभारी रहूंगा। बच्चों की संख्या जब बहुत कम होती थी तो बच्चों को एक साथ मिलाकर पढ़ाना पड़ता था। जिससे मुझे सीख यही मिली कि बच्चों को एक साथ पढ़ाने के लिए एक कक्षा के बच्चों को स्वयं अध्ययन करने बोलता था और कक्षा कार्य देकर पुनः अगली कक्षा कोपढ़ाता था, यह सब संभालने सीखा। सभी प्रशिक्षु शिक्षक एवं विद्यालय के शिक्षकों का भरपूर सहयोग मिला।

अनिल डुंगडुंग
प्रथम वर्ष 'अ'

## शिक्षण अभ्यास का अनुभव

हम लोगों का शिक्षण अभ्यास 8 सितंबर 2025 से प्रारंभ हुआ। पहले दिन विद्यालय में पहुँचने पर जब मैंने बच्चों की संख्या देखी, तो मुझे थोड़ी घबराहट हुई। मन में डर था कि इतने सारे बच्चों को कैसे संभालूँगा और क्या मैं सबको सही तरह से पढ़ा पाऊँगा या नहीं।

लेकिन जब मैं कक्षा में गया, तो बच्चों ने बहुत प्यार और ध्यान से मेरी बातें सुनीं। वे मेरी बातों को समझने की कोशिश कर रहे थे, जिससे मेरा आत्मविश्वास बढ़ गया और मन में अच्छा लगा। धीरे-धीरे डर खत्म हो गया और मैं सहज महसूस करने लगा।

इस शिक्षण अभ्यास के दौरान मैंने सीखा कि बच्चों को कैसे संभालना है, उनका ध्यान पढ़ाई की ओर कैसे लगाना है, और कक्षा को कैसे व्यवस्थित रखना है। विद्यालय की प्रधानाध्यापिका एवं अन्य शिक्षकगण बहुत ही सहायक और मार्गदर्शक थे। उनके सहयोग से मुझे विद्यालय में कोई कठिनाई नहीं हुई। केवल कॉलेज से विद्यालय तक आने-जाने में थोड़ी परेशानी होती थी। शिक्षण अभ्यास के अंतिम दिन हमें विद्यालय में बहुत ही स्नेहपूर्वक विदाई दी गई। उस समय सभी शिक्षणार्थी बहुत भावुक और खुश थे। इस अभ्यास के माध्यम से मैंने बहुत कुछ नया सीखा और अनुभव प्राप्त किया।

शिक्षण अभ्यास हमारे कोर्स का एक अत्यंत महत्वपूर्ण भाग है, क्योंकि इससे हमें वास्तविक शिक्षण का अनुभव प्राप्त होता है और शिक्षण कौशल विकसित होता है। इस पूरे अनुभव ने मुझे आत्मविश्वासी और सक्षम बनाया।

अतः मैं कह सकता हूँ कि यह शिक्षण अभ्यास मेरे लिए अत्यंत लाभदायक और यादगार रहा। मैं इस अनुभव से बहुत प्रसन्न हूँ।

अभय कुजूर
प्रथम वर्ष 'ब'

## शिक्षण अभ्यास का अनुभव

विद्यालय की व्यवस्था में वहाँ कक्षाओं (क्लासरूम) की थोड़ी कमी थी। विद्यालय में तीन शिक्षक थे, और सभी शिक्षक बहुत अच्छे थे। वे हमसे बहुत अच्छे से बातें करते थे और उनका व्यवहार भी बहुत ही मधुर था, जिससे वहाँ रहना अच्छा लगता था। वहाँ के बच्चे भी बहुत प्यारे थे — कुछ बच्चे थोड़े शरारती थे, लेकिन उनसे हमें लगाव हो गया था। विद्यालय में बैंक नहीं था, केवल *लंच बैंक* की व्यवस्था थी। बाकी सभी व्यवस्थाएँ अच्छी थीं और विद्यालय का वातावरण भी बहुत सुखद लगा।

शिक्षण अभ्यास के दौरान मुझे बहुत कुछ सीखने को मिला — जैसे कि कक्षा को व्यवस्थित करना, बच्चों से घुलना-मिलना और उनसे अच्छे संबंध बनाना। हमारे समूह के सभी सदस्य बहुत अच्छे और सहयोगी थे। हर काम में हम एक-दूसरे की मदद करते थे और मिल-जुलकर हर कार्य को सफलता पूर्वक पूरा करते थे।

कभी-कभी कक्षा लेते-लेते थकावट महसूस होती थी, लेकिन फिर भी मन में संतोष और आनंद रहता था। इन 30 दिनों के शिक्षण अभ्यास में मैंने बहुत अनुभव प्राप्त किया, बहुत कुछ नया सीखा, और अपनी कमियों को पहचानकर उन्हें सुधारने का प्रयास भी किया। कुल मिलाकर मेरा शिक्षण अभ्यास अनुभव बहुत ही अच्छा और यादगार रहा।

आकांक्षा टुडू
प्रथम वर्ष 'अ'

# अनमोल रिश्ता (वार्षिक पत्रिका) 2025 के लिए लेख आमंत्रण सूचना

**प्रिय प्रशिक्षणार्थियो,**

हमें आपको यह बताते हुए अत्यंत हर्ष हो रहा है कि हमारे कॉलेज की वार्षिक पत्रिका, **"अनमोल रिश्ता-2025"** दिसंबर माह में प्रकाशित होने वाली है। यह पत्रिका हमारे कॉलेज के समृद्ध शैक्षणिक और सांस्कृतिक जीवन को दर्शाने वाला एक महत्वपूर्ण दस्तावेज़ है, और हम चाहते हैं कि आप सभी इसमें सक्रिय रूप से भाग लें।

यह आपके लिए एक शानदार मंच है जहाँ आप अपनी रचनात्मकता, अपने विचारों और अपने अनुभवों को साझा कर सकते हैं। हम आपकी ओर से विभिन्न विषयों पर लेख, कहानियाँ, कविताएँ और अन्य रचनात्मक सामग्री आमंत्रित करते हैं।

## हम निम्नलिखित श्रेणियों में आपके योगदान का हार्दिक स्वागत करते हैं:

1. **ज्ञानवर्धक लेख और विचार (Thoughtful Insights & Brilliant Ideas):** किसी भी विषय पर आपके गहन विचार, नई अवधारणाएँ, या कोई ऐसा विचार जो आपको लगता है कि समाज या कॉलेज के लिए महत्वपूर्ण हो सकता है।
2. **हास्य और चुटकुले (Jokes & Humour):** हमें हँसाने वाले मजेदार चुटकुले, छोटी हास्य कहानियाँ या कॉलेज जीवन से जुड़े कोई भी मनोरंजक किस्से।
3. **व्यक्तिगत अनुभव (Experiences):** कॉलेज में आपके यादगार पल, सीखने के अनुभव, किसी कार्यक्रम में भागीदारी का अनुभव, या कोई भी ऐसी घटना जिसने आपको प्रभावित किया हो।
4. **कॉलेज में होने वाली गतिविधियों का अनुभव (Experiences of College Activities):** विभिन्न खेल आयोजनों, सांस्कृतिक कार्यक्रमों, कार्यशालाओं या शैक्षणिक प्रतियोगिताओं में आपकी भागीदारी और अनुभव।
5. **कविताएँ और कहानियाँ (Poems & Stories):** आपकी मौलिक कविताएँ, लघु कथाएँ या किसी विशेष विषय पर आपकी रचनात्मक लेखन।
6. **कलाकृति और चित्र (Artworks & Sketches):** यदि आप एक कलाकार हैं, तो अपनी सर्वश्रेष्ठ कलाकृतियाँ या स्केच जमा करें।
7. **अन्य रचनात्मक योगदान:** कोई भी अन्य रचनात्मक सामग्री जो आपको लगता है कि पत्रिका में शामिल की जानी चाहिए।

## योगदान जमा करने हेतु महत्वपूर्ण दिशा-निर्देश:

- **भाषा:** लेख हिंदी या अंग्रेजी में हो सकते हैं।
- **शब्द सीमा:** लेखों के लिए अधिकतम शब्द सीमा 500-800 शब्द (कविताएँ छोटी हो सकती हैं) है।
- **मौलिकता:** सभी योगदान मौलिक होने चाहिए। किसी भी प्रकार की साहित्यिक चोरी स्वीकार्य नहीं होगी।
- **प्रारूप:** कृपया अपना लेख Microsoft Word दस्तावेज़ (.doc/.docx) में या हस्तलिखित भेजें।
- **जानकारी:** अपने लेख के साथ अपना नाम, कक्षा, अनुभाग स्पष्ट रूप से लिखें।
- **जमा करने की अंतिम तिथि: 1 दिसंबर 2025**
- **जमा करने का तरीका:** अपने योगदान को cyprian.surin@ptecgurwa.org पर ईमेल करें या हाथों-हाथ जमा करें।

हमें विश्वास है कि आपकी सक्रिय भागीदारी से हमारी वार्षिक पत्रिका और भी अधिक समृद्ध और प्रेरणादायक बनेगी। हम आपके रचनात्मक योगदानों की प्रतीक्षा कर रहे हैं!

धन्यवाद सहित,

**श्री सिप्रियन सुरीन**
**व्याख्याता**

## शिक्षण अभ्यास का अनुभव

शुरुआत में मैं सोचती थी कि स्कूल में बच्चों को कैसे पढ़ाऊँगी और कक्षा का प्रबंधन कैसे करूँगी। मैं हर दिन पूरी तैयारी के साथ स्कूल जाती थी। पढ़ाते समय उदाहरणों के माध्यम से बच्चों को समझाने की कोशिश करती थी ताकि वे आसानी से सीख सकें।

कई बच्चे ऐसे थे जिन्हें अक्षरों का ज्ञान नहीं था। मैं बोर्ड पर अक्षर लिखती थी और उन्हें सही ढंग से पकड़कर लिखने के लिए प्रेरित करती थी। धीरे-धीरे वे अक्षर पहचानने और लिखने लगे, जिससे मुझे बहुत खुशी मिली।

इस शिक्षण अभ्यास ने मुझे अपनी **ताकतों और कमजोरियों को पहचानने** का अवसर दिया। साथ ही, प्रभावी शिक्षण विधियाँ विकसित करने का अनुभव भी मिला। इस अनुभव में उत्साह, सीखने की इच्छा और नई परिस्थितियों के अनुरूप ढलने की क्षमता विकसित हुई।

शिक्षण अभ्यास के दौरान मैंने कक्षा प्रबंधन, विभिन्न स्तरों के विद्यार्थियों के साथ तालमेल बिठाना, और उन्हें सीखने के लिए प्रेरित करना सीखा। मार्गदर्शक शिक्षकों के सहयोग से मैंने शिक्षण के ठोस और व्यावहारिक पहलुओं को समझा और बेहतर शिक्षण की दिशा में कदम बढ़ाया।

इस प्रकार, यह अनुभव मेरे लिए अत्यंत उपयोगी, प्रेरणादायक और जीवनभर याद रखने योग्य रहा।

अमृता खलखो
प्रथम वर्ष 'अ'

## शिक्षण अभ्यास का अनुभव

मेरा शिक्षण अभ्यास का अनुभव बहुत ही उपयोगी और यादगार रहा। शुरू में मन में अनेक शंकाएँ थीं — क्या छात्र मुझे पसंद करेंगे, मैं उनका ध्यान कैसे आकर्षित करूँगा, और पढ़ा पाऊँगा या नहीं। क्योंकि मैंने पहले कभी किसी विद्यार्थी को नहीं पढ़ाया था, इसलिए थोड़ी घबराहट स्वाभाविक थी। 8 सितम्बर का दिन मुझे याद है, जब मैं विद्यालय पहुँचा। हमारे कॉलेज के कुछ प्रशिक्षु पहले से वहाँ थे, इसलिए बच्चे हमें देखकर सहज महसूस कर रहे थे। प्रधानाध्यापक और प्रधानाध्यापिका जी ने हमारा आत्मीय स्वागत किया और शिक्षण से जुड़ी कई उपयोगी बातें बताईं। उनके मार्गदर्शन से हमें अनुशासन और व्यवहार का महत्व समझ आया।

30 दिनों के अभ्यास के दौरान मैंने बच्चों से संवाद करना, उनका ध्यान आकर्षित करना और विषयों को सरलता से समझाना सीखा। अंत में जब विदाई का समय आया, तो कई छात्र भावुक हो गए — यह देखकर मेरा हृदय भी भर आया। कुल मिलाकर, यह अनुभव मेरे लिए अत्यंत लाभदायक रहा। इसने मुझे न केवल शिक्षण की कला सिखाई, बल्कि एक सच्चे शिक्षक बनने की प्रेरणा भी दी।

**अंकित बखला**
**प्रथम वर्ष 'ब'**

## शिक्षण अभ्यास का अनुभव

8 सितंबर 2025 से 4 नवंबर 2025 तक का शिक्षण अभ्यास मेरे लिए बहुत ही विशेष और यादगार रहा। जब मुझे यह पता चला कि मुझे एक नए विद्यालय में जाकर पढ़ाना है, तो मन में उत्साह के साथ-साथ थोड़ी घबराहट भी थी। नए स्कूल, नए वातावरण, नए बच्चों और नए शिक्षकों से मिलने की जिज्ञासा मन में थी।

मैंने अपने तीन साथियों के साथ इस सफर की शुरुआत बहुत उत्साह के साथ की। विद्यालय पहुँचने पर बच्चों की संख्या देखकर थोड़ी चिंता हुई कि क्या मैं इतने सारे विद्यार्थियों को संभाल पाऊँगा? लेकिन जब कक्षा में गया, तो बच्चों के प्यारे व्यवहार और उनकी जिज्ञासा ने मेरा डर दूर कर दिया।

शुरुआती दिनों में कुछ कठिनाइयाँ आईं, लेकिन विद्यालय के शिक्षकों और प्रधानाध्यापिका के प्रोत्साहन ने मेरा आत्मविश्वास बढ़ाया। उन्होंने हर समय हमारा मार्गदर्शन किया, जिससे हम सभी प्रशिक्षणार्थियों ने पूरी निष्ठा और मेहनत से अपना कार्य पूरा किया।

हमारे समूह के सभी सदस्य एक-दूसरे की मदद करते थे और टीम भावना के साथ आगे बढ़ते रहे। इस अभ्यास के दौरान मैंने बच्चों से संवाद स्थापित करना, कक्षा का प्रबंधन करना और प्रभावी ढंग से पढ़ाना सीखा।

अब जब यह अभ्यास समाप्त हो गया है, तब भी मेरा मन उन बच्चों और विद्यालय के वातावरण में ही बस गया है। उनके साथ बिताए पल आज भी याद आते हैं।

अंत में, मैंने यह अनुभव किया कि शिक्षक बनना वास्तव में एक चुनौतीपूर्ण कार्य है, लेकिन यदि हम मन लगाकर कार्य करें, तो यह सबसे संतोषजनक और प्रेरणादायक पेशा है।

अनिवेश डुंगडुंग

## शिक्षण अभ्यास का अनुभव

हमारा शिक्षण अभ्यास 8 सितंबर 2025 से प्रारंभ हुआ। इन लगभग 80 दिनों का अनुभव मेरे लिए खट्टा-मीठा लेकिन बहुत ही यादगार रहा। शुरुआत में विद्यालय आने-जाने के लिए यातायात की थोड़ी परेशानी होती थी, परंतु धीरे-धीरे सब ठीक हो गया।

शुरुआती दिनों में बच्चों को संभालने में थोड़ी कठिनाई हुई, क्योंकि वे नए शिक्षक से घुलने-मिलने में समय ले रहे थे। लेकिन कुछ दिनों बाद जब मैं नियमित रूप से कक्षा लेने लगा, तो बच्चे ध्यानपूर्वक मेरी बातें सुनने लगे और पढ़ाई में रुचि दिखाने लगे।

विद्यालय के शिक्षकगण और प्रधानाध्यापिका जी ने हमें बहुत सहयोग दिया। उन्होंने हमें कक्षा प्रबंधन, अनुशासन बनाए रखने और बच्चों से अच्छा व्यवहार करने के तरीके सिखाए। उनके मार्गदर्शन से मेरा आत्मविश्वास बढ़ा और मैं शिक्षण में अधिक सहज हो गया।

कक्षा में मैं चुटकुले, छोटी कहानियाँ और कविताएँ सुनाकर बच्चों की रुचि बनाए रखने की कोशिश करता था। बच्चे भी बहुत प्यार और उत्साह से पढ़ाई में भाग लेते थे। जब कभी मुझसे कोई गलती होती, तो बच्चे बड़ी मासूमियत से उसे बताते, जिससे कक्षा का माहौल बहुत अपनापन भरा बन जाता था।

शिक्षण अभ्यास के अंतिम दिन बच्चे बहुत भावुक हो गए। वे बार-बार कहते थे — *"सर, आप स्कूल छोड़कर मत जाइए, हमेशा यहीं पढ़ाइए।"* उस क्षण ने मेरे मन को बहुत छू लिया।

यह अनुभव मेरे जीवन का एक अमूल्य हिस्सा बन गया। इससे मैंने न केवल शिक्षण कौशल सीखा बल्कि बच्चों के प्रति स्नेह, धैर्य और समझ विकसित की। सचमुच, यह शिक्षण अभ्यास मेरे लिए बहुत ही प्रेरणादायक और यादगार रहा।

**अमन बा,**
**प्रथम वर्ष 'ब'**

## शिक्षण अभ्यास का अनुभव

शिक्षण अभ्यास का यह सफर मेरे लिए बहुत ही रोमांचक और यादगार रहा। जब हमें विद्यालयों में भेजा गया, तो सबसे पहले हमारा समूह बनाया गया। उस समय मैं बहुत खुश थी, क्योंकि यह मेरे लिए एक नया अनुभव होने वाला था।

मन में उत्साह के साथ-साथ थोड़ा डर भी था — कि नए स्थान पर लोग कैसे होंगे, बच्चे मुझे समझ पाएँगे या नहीं, और मैं उन्हें ठीक से पढ़ा पाऊँगी या नहीं। लेकिन जब विद्यालय पहुँची, तो वहाँ के बच्चों और शिक्षकों का व्यवहार बहुत ही अच्छा लगा।

विद्यालय के शिक्षकगण हमेशा हमारा मार्गदर्शन करते थे और हमें प्रोत्साहित करते थे। उनकी बातों और सहयोग से मेरा आत्मविश्वास बढ़ा और मैं हर दिन कुछ नया सीखने लगी।

विद्यालय तक का रास्ता भी बहुत सुंदर था — प्राकृतिक वातावरण, पेड़ों और जंगलों से घिरा हुआ। रोज़ वहाँ जाते समय मन को बहुत सुकून मिलता था।

वहाँ के बच्चे बहुत प्यारे और जिज्ञासु थे। उनसे बातचीत करने और उन्हें पढ़ाने का अनुभव बहुत आनंददायक रहा। उनके साथ समय बिताते हुए मैंने न केवल शिक्षण कौशल सीखा, बल्कि धैर्य, संवेदना और आत्मविश्वास भी विकसित किया।

इस शिक्षण अभ्यास से मुझे बहुत कुछ सीखने को मिला और यह अनुभव मेरे जीवन की एक अनमोल याद बन गया।

**अनामिका गिद्ध**

## शिक्षण अभ्यास का अनुभव

मेरा शिक्षण अभ्यास 8 सितम्बर 2025 से 4 नवम्बर 2025 तक सम्पन्न हुआ। हमारे समूह ने पूरे मनोयोग और निष्ठा के साथ अपना कार्य किया। विद्यालय पहुँचते ही नन्हे-मुन्ने बच्चों की मुस्कान देखकर सारी थकान दूर हो जाती थी।

विद्यालय के शिक्षकों का सहयोग और प्रोत्साहन हमें लगातार मिलता रहा। बच्चों के साथ समय बिताना और उन्हें सिखाना हमारे लिए बहुत आनंददायक अनुभव था। अभ्यास के अंतिम दिन उनसे बिछड़ते समय मन बहुत उदास हो गया।

यह शिक्षण अभ्यास मेरे लिए एक यादगार और प्रेरणादायक अनुभव रहा।

**अनिमा टोप्पो**
**द्वितीय वर्ष 'ब'**

## शिक्षण अभ्यास का अनुभव

मेरा शिक्षण अभ्यास 8 सितम्बर 2025 से 4 नवम्बर 2025 तक **प्राथमिक विद्यालय मरहेता, सदर हजारीबाग** में सम्पन्न हुआ। हमारे समूह में कई साथी थे, और हमने पूरे समर्पण, निष्ठा और लगन के साथ अपना कार्य पूरा किया। हम रोज़ हॉस्टल से पैदल विद्यालय जाया करते थे। विद्यालय पहुँचते ही नन्हे-मुन्ने बच्चों की मुस्कान देखकर हमारी सारी थकान दूर हो जाती थी। इस एक महीने के अभ्यास काल में हमने बहुत कुछ सीखा — बच्चों को पढ़ाने के साथ-साथ उनसे बहुत कुछ सीखने का अवसर भी मिला।

विद्यालय के शिक्षकगणों ने हमें भरपूर सहयोग और प्रोत्साहन दिया। बच्चों का स्नेह और सहयोग हमारे लिए प्रेरणास्रोत बना रहा। जब अंतिम दिन विदाई का समय आया, तो भावनाएँ इतनी प्रबल हो गईं कि हमारी आँखों से आँसू निकल आए।

यह शिक्षण अभ्यास मेरे जीवन का एक अविस्मरणीय और सीख से भरपूर अनुभव रहा।

**मेघा कुजूर**
**द्वितीय वर्ष 'ब'**

## शिक्षण अभ्यास का अनुभव

मैं **अभिषेक टोप्पो**, मुझे प्राथमिक विद्यालय **शिवपुरी, सदर हजारीबाग** में बच्चों के साथ सिखाने और सीखने का अवसर मिला। विद्यालय आने-जाने में मुझे किसी प्रकार की कठिनाई या परेशानी नहीं हुई। शुरू में मन में बस एक चिंता थी — वहाँ के शिक्षकों का व्यवहार कैसा होगा। लेकिन जब मैं विद्यालय पहुँचा, तो देखा कि सभी शिक्षिकाएँ बहुत सहयोगी, सरल और व्यवहारिक थीं। उनका मार्गदर्शन और सहयोग सराहनीय रहा, जिससे मुझे कभी किसी प्रकार की असुविधा महसूस नहीं हुई।

विद्यालय में बच्चों की संख्या अधिक नहीं थी, पर मेरे लिए यह मायने नहीं रखता था। मेरा उद्देश्य था — कमजोर विद्यार्थियों को भी उतना ही सक्षम बनाना जितने अच्छे विद्यार्थी पहले से थे।

वहाँ मैंने देखा कि कई बच्चे बहुत गरीब परिवारों से आते हैं। कुछ बच्चों के पास स्कूल यूनिफॉर्म भी नहीं थी, वे फटे-पुराने कपड़ों में भी नियमित रूप से स्कूल आते थे। उन्हें देखकर मुझे अपना बचपन और पढ़ाई का जुनून याद आ गया। सच कहा गया है — **"गरीबी, ऊँच-नीच या भेदभाव कभी शिक्षा की राह में बाधा नहीं बन सकते, बल्कि शिक्षा ही इन बंधनों को तोड़ने की शक्ति देती है।"**

कुल मिलाकर, मेरा शिक्षण अभ्यास एक प्रेरणादायक और स्तुत्य अनुभव रहा। इसने मुझे न केवल शिक्षण का महत्व सिखाया, बल्कि जीवन में विनम्रता और संवेदनशीलता का पाठ भी पढ़ाया।

**अभिषेक टोप्पो**
**प्रथम वर्ष 'ब'**

## शिक्षण अभ्यास (अनुभव)

मेरा शिक्षण अभ्यास का अनुभव लगभग 30 दिनों का रहा, और यह मेरे लिए बहुत ही सीखने योग्य और यादगार समय था। हालांकि यह अनुभव अच्छा रहा, फिर भी इसमें कई बातें हैं जिन्हें साझा करना आवश्यक समझती हूँ।

मुझे जिस विद्यालय में शिक्षण अभ्यास के लिए भेजा गया था, उसका नाम **"क्रौंच कन्या प्राथमिक विद्यालय, कोर्रा, हजारीबाग"** था। विद्यालय की स्थिति बहुत अच्छी नहीं थी। वहाँ कक्षाओं की कमी थी — एक ही कमरे में कई कक्षाओं के विद्यार्थी एक साथ बैठते थे, जिससे पढ़ाने में कठिनाई होती थी।

पानी की सुविधा भी पर्याप्त नहीं थी। बच्चों को अक्सर बाहर जाकर दूसरे घरों से पानी लाना पड़ता था। ऐसी परिस्थितियों के कारण शिक्षण कार्य में कुछ बाधाएँ आईं, लेकिन इन अनुभवों से मुझे बहुत कुछ सीखने को मिला।

मेरा सुझाव है कि शिक्षण अभ्यास के लिए विद्यार्थियों को भेजने से पहले विद्यालय की स्थिति की जानकारी पहले से प्राप्त कर लेनी चाहिए। कम से कम दो दिन पहले उस विद्यालय का निरीक्षण किया जाना चाहिए, ताकि अभ्यास करने वाले छात्रों को असुविधा न हो।

साथ ही, यह भी ध्यान देना आवश्यक है कि विद्यालय में बच्चों की कुल संख्या कितनी है और वहाँ नियमित रूप से कितने विद्यार्थी आते हैं। उसी के अनुसार प्रशिक्षु शिक्षकों की संख्या निर्धारित की जानी चाहिए।

हालाँकि कुछ कठिनाइयाँ आईं, फिर भी मेरा शिक्षण अभ्यास सफल रहा। मैंने इस दौरान शिक्षण के तौर-तरीकों को समझा, बच्चों से संवाद बनाना सीखा और एक शिक्षक के रूप में अपने आत्मविश्वास को बढ़ाया।

यह अनुभव मेरे लिए अत्यंत उपयोगी और प्रेरणादायक रहा।

**अंजली कुमारी**

**शिक्षण अभ्यास**

शिक्षण
जीवन के हर क्षण में
जीने का सही तरीका सिखलाएँगे।
सबसे पहले झाँको चारो ओर,
यदि कचड़ा दिख जाए तो
पहले अपना कदम बढ़ा दो,
एक-दूजे के साथ-साथ
मिलजुलकर सहयोग दिखा दो।

कक्षा में समानता समाज में समानता,
हर कोने-कोने में एकरूपता
एक कक्षा से दूसरे कक्षा,
चलो सभी कक्षा में कदम बढ़ाओ,
प्यार दुलार और खेल - खेल से पढ़ाओ।
जोर जबरजस्ती छोड़ो हटाओ
खुद से स्कूल आने की इच्छा जगाओ।

जमकर पढ़ाओ ऐसा कि
जग में एक मिसाल बन जाओ।
समाज में नीहित कुरीतियों को दूर भगाओ
शिक्षा की लौ हर कोने में फैलाओ।

करीना तिर्की
द्वितीय वर्ष 'ब'

**शिक्षण अभ्यास का अनुभव**

हमने अपना शिक्षण अभ्यास 08/09/2025 से शुरू किया। पहले दिन ही बच्चों की संख्या अच्छी थी, और हमारी प्रेरणा से धीरे-धीरे उपस्थिति बढ़ती गई। हम सबको अलग-अलग कक्षाएँ मिलीं। शुरुआत में बच्चे ध्यान से पढ़ते थे, बाद में उनका झुकाव नाच-गाने की ओर बढ़ा, लेकिन फिर भी वे पढ़ाई अच्छी तरह सीख लेते थे।
बच्चों के साथ समय बिताना हमें बहुत आनंद देता था, और रोज स्कूल जाना अच्छा लगता था। जब अभ्यास समाप्त होने का समय आया, तो बच्चों और शिक्षकों से बिछड़ने का दुख हुआ। ऐसा लगा जैसे हम कुछ पीछे छोड़कर जा रहे हों।
हमारा शिक्षण अभ्यास सफलतापूर्वक सम्पन्न हुआ और यह अनुभव हमारे लिए हमेशा यादगार रहेगा।

**मिलन तिर्की**
**द्वितीय वर्ष 'ब'**

**शिक्षण अभ्यास का अनुभव**

मेरा शिक्षण अभ्यास बहुत ही सफल और यादगार रहा। यह अभ्यास **8 सितम्बर 2025 से 25 नवम्बर 2025** तक चला। प्रारंभ में मुझे जिस विद्यालय में भेजा गया था, वहाँ का वातावरण मुझे ज्यादा अच्छा नहीं लगा। बाद में मुझे दूसरे विद्यालय में भेजा गया, जहाँ का वातावरण, शिक्षकों का व्यवहार और व्यवस्था बहुत अच्छी थी।
विद्यालय में बच्चों का व्यवहार भी बहुत अच्छा था। शिक्षकों ने हमें हर संभव सहयोग दिया। हमारे और बच्चों के बीच बहुत अच्छा संबंध बन गया था। वहाँ पढ़ाने में बहुत आनंद आता था। विद्यालय का वातावरण शांत और स्वच्छ था। विद्यालय भवन भी सुंदर था और वहाँ का मध्यान्ह भोजन अत्यंत स्वादिष्ट था। केवल एक असुविधा यह थी कि विद्यालय में वॉशरूम की संख्या कम थी, जिससे थोड़ी परेशानी होती थी।

समय कब बीत गया, पता ही नहीं चला। जब अंतिम दिन विदाई का समय आया, तो मन बहुत उदास हो गया। इस प्रकार मेरा शिक्षण अभ्यास सुखद और प्रेरणादायक अनुभव के साथ सम्पन्न हुआ।

**मंजेला हेमरोम**
**द्वितीय वर्ष 'ब'**

**शिक्षण अभ्यास का अनुभव**

हमारा शिक्षण अभ्यास **08/09/2025** से शुरू हुआ, और मुझे *नव प्राथमिक विद्यालय, बेलामुण्डवार, हजारीबाग* में कार्य करने का अवसर मिला। यह अनुभव मेरे लिए बहुत सीखों से भरा रहा। विद्यालय में शिक्षकों का सहयोग और मार्गदर्शन हमेशा मिला, जिससे कार्य आसान हो गया। बच्चे अनुशासित और मिलनसार थे; वे जल्दी ही हमसे घुल-मिल गए और पढ़ाई में उनकी रुचि देखकर हमें बहुत खुशी होती थी।

बच्चों के साथ बनता रिश्ता, शिक्षकों का समर्थन और विद्यालय का सकारात्मक वातावरण मेरे लिए अत्यंत प्रेरणादायक रहा। इन 30 दिनों का अनुभव मेरे जीवन का यादगार और महत्वपूर्ण हिस्सा बन गया।

**मेहर परवीन**
**द्वितीय वर्ष 'अ'**

## शिक्षण अभ्यास

शिक्षण अभ्यास के प्रथम दिन
मैं चॉक उठाई और ब्लैकबोर्ड पर
कुछ लिखने के लिए आगे बढ़ी।
मन में थोड़ा डर भी आया
पर बच्चों की मुस्कान ने दिया
सहारा शिक्षक बनने का सपना हुआ साकार।

हर दिन नई चुनौती आई,
कभी प्रशंसा कभी दुःख
गलतियों से सीखा मुस्कुराना
यही तो है शिक्षक का जीवन।

जब बच्चे बोले मैम सुनिए
दिल में खुशी की थोड़ी लहर उठी।
शब्दों से नहीं नजरों से सीखा
प्यार ही शिक्षा का सही तरीका है।
यही तो एक शिक्षक की कला है।

मेरे शिक्षण अभ्यास की कहानी,
बन गई बड़ी ही स्मरणीय
कभी डर, कभी हंसी, कभी उलझन
हर पल रहा सीखने का क्षण
विद्यार्थियों की आँखों में चमक आई।
तभी तो शिक्षक की सही पहचान बनती है।

अंजना सोरेंग
द्वितीय वर्ष 'ब'

## Teaching Practice Experience

My teaching practice was a very memorable and life-changing experience. I had my practice teaching at a nearby school from **8th September to 4th November 2025**. In the beginning, I was a little nervous, but as time went on, I became more confident and comfortable in the classroom.

The students were very active and eager to learn, which motivated me to give my best. I shared as much knowledge as I could and tried to make every class interesting and joyful. The teachers and staff of the school were very kind and supportive, which made the environment even better for learning and teaching.

During this period, I learned patience, confidence, and effective classroom management. Seeing my students happy and engaged in learning gave me great satisfaction.

I am truly thankful to my college professors for their continuous guidance and support during my teaching practice. It was indeed a wonderful experience that helped me grow both personally and professionally.

**Josphin Marandi**

## शिक्षण अभ्यास का अनुभव

मेरा शिक्षण अभ्यास बहुत ही अच्छा और सफल रहा। मुझे यह अवसर **मध्य विद्यालय सीतागढ़** में शिक्षक प्रशिक्षण के दौरान मिला। प्रारंभ में थोड़ी घबराहट थी, परंतु समय के साथ सब कुछ सहज और अच्छा होता गया। विद्यालय की व्यवस्था बहुत अच्छी थी और बच्चे भी बड़ी संख्या में नियमित रूप से आते थे। हम प्रतिदिन अपने पाठ की पूरी तैयारी करके विद्यालय जाते थे। धीरे-धीरे हमारे अंदर का डर खत्म हो गया और आत्मविश्वास बढ़ता गया।

विद्यालय के शिक्षकों के साथ हमारे संबंध बहुत सौहार्दपूर्ण रहे। हम पूरे दिन शिक्षण कार्य में व्यस्त रहते थे, जिससे हमें व्यावहारिक अनुभव और नई बातें सीखने का अवसर मिला। बच्चों को पढ़ाने, उनके साथ समय बिताने और दोपहर का भोजन बाँटने में हमें बहुत आनंद आता था। धीरे-धीरे यह दिनचर्या हमारी आदत बन गई थी, लेकिन जब अभ्यास समाप्त हुआ, तो मन उदास हो गया। ऐसा लग रहा था, काश! यह अनुभव कुछ दिन और चलता।

इस प्रकार मेरा शिक्षण अभ्यास सफलतापूर्वक सम्पन्न हुआ और यह मेरे जीवन का एक यादगार अनुभव बन गया।

**खुशबू खलखो**

## शिक्षण अभ्यास

जब हुई पुकार नाम लिस्ट की
घड़कन तेज सी हो गई दिल की
मन में थी तमन्ना जानने की उन दोस्तों को
जिसके साथ जाना मुझे था।

जानकर नाम दोस्तों की खुश हो गई मै
नये चेहरों से मिलकर थोड़ी हैरान हो गई
मिलकर साथ उनके निकल गई करने
खोज विद्यालय की
गली-गली भटक हमें मिल गया हमारा विद्यालय।

पाकर समर्थन विद्यालय से हुई हमे प्रसन्नता
शिक्षण अभ्यास में हो गई दोस्ती हमारी
चॉक, पेंसिल, डस्टर, पुस्तक व बच्चों से
खूब निखारा हमने अपनी प्रतिभा व गुण इनके साथ
पढ़ना, पढ़ाना, खेलना, खेलाना
बन गई थी अहम हिस्सा जीवन की।

थे बच्चे शरारती, पर थे शिक्षक मस्तमौला
जब हो जाते थे निराश हम, हाथ व साथ
देकर बढ़ाया हमारा हौसला
चलकर हर कदम हमारा
सिरवाया हमें बनना बच्चों के प्रथम शिक्षक

विदाई के पल थे नम
हर आँखों में आँसू थे.
ढेर सारी शुभकामनाएँ लेकर विदा हो गए हम
शिक्षण अभ्यास न सिर्फ मेरा अनुभव है.
पर यह बन गया यादगार पल जीवन के मेरे।

**अलिशा तिर्की**

## शिक्षण अभ्यास

शिक्षण केवल एक नौकरी नहीं, बल्कि एक मानवीय सेवा है। इसी सेवा को करने के लिए हमें चुना जाना अपने-आप में बहुत बड़ी खुशी और उत्साह की बात थी। हमें, प्राथमिक शिक्षक शिक्षा महाविद्यालय के प्रशिक्षणार्थियों को शिक्षण अभ्यास करने का अवसर मिला—और यह सच-मुच ईश्वर की एक विशेष बुलाहट जैसा लगा। सभी में शिक्षण अभ्यास जाने का उत्साह साफ दिखाई दे रहा था। और फिर वह दिन आ ही गया, जब हमें विद्यालय जाने का अवसर प्राप्त हुआ।

दिनांक **08.09.2025** को हमारे शिक्षण अभ्यास का पहला दिन था। हमें समूहों में बाँटकर अलग-अलग विद्यालयों में भेजा गया। अनजान जगह और अनजान लोगों के बीच सेवा का कार्य करने का अवसर मिलना हमारे लिए एक नया अनुभव था। विद्यालय में प्रवेश करते ही दिल की धड़कनें तेज होने लगीं और मन में अनेक विचार उठ रहे थे। विद्यालय का वातावरण बहुत शांत और स्वागतपूर्ण था। विद्यार्थियों का "जी-जी" कहकर विनम्रता से बात करना हमें बहुत अच्छा लगा।

जैसे ही हमने विद्यालय में कदम रखा, उसी क्षण हमारा बड़े आदर और सम्मान के साथ स्वागत किया गया। हमारे आने से शिक्षिकाओं और छात्रों के चेहरे पर जो मुस्कुराहट दिख रही थी, वह दिल को छू लेने वाली थी। बच्चों का प्यार और उनकी मुस्कान, तथा शिक्षिकाओं का सहयोग और मार्गदर्शन—इन सबने जीवन भर की सीख दी और हमारे मन को गहराई से स्पर्श किया।

अंतिम दिन तो और भी भावुक था। बच्चे हमें विदा करते समय रो पड़े, मानो घर से कोई अपना लौटकर जा रहा हो। हमारे अपने दिल में भी अनेक भावनाएँ उमड़ रही थीं। यदि हम उन्हें सब लिखने बैठें, तो शायद एक पूरी फिल्म बन जाए।

**प्रेरणा कूजूर**
**द्वितीय वर्ष 'ब'**

## शिक्षण अभ्यास का अनुभव

शिक्षण अभ्यास मेरे जीवन का एक कोमल, गहन और प्रेरणादायक अनुभव रहा। यह केवल एक औपचारिक अभ्यास नहीं था, बल्कि सीखने, सिखाने, जिम्मेदारी निभाने और अनुभव के माध्यम से स्वयं को बेहतर बनाने की एक महत्वपूर्ण यात्रा थी।

इस अवसर ने मेरी शिक्षण-कला को और अधिक निखारने का मौका दिया। बच्चों के बीच रहकर मैंने महसूस किया कि पढ़ाना केवल एक नौकरी या कौशल नहीं, बल्कि एक पवित्र कर्तव्य है—लाखों बच्चों के जीवन को संवारने का अवसर।

बच्चों की मुस्कुराहट, उनकी मस्ती, शरारतें, और उनके सहज प्रश्नों ने मुझे आगे बढ़ने की एक नई दिशा दी। हर दिन एक नई सीख लेकर आता था और हर पल एक नया अनुभव देकर जाता था।

इन अनुभवों ने मुझे सिखाया कि *स्नेह और सहानुभूति* एक शिक्षक के सबसे बड़े शस्त्र होते हैं। एक प्रेरणादायक शिक्षक बनने का मार्ग इन्हीं गुणों से होकर गुजरता है—और यह शिक्षण अभ्यास मुझे उसी दिशा में आगे बढ़ने का संबल देता है।

**अनुजा नेहा पन्ना**
**द्वितीय वर्ष 'ब'**

### शिक्षण अभ्यास का अनुभव

शिक्षण अभ्यास के लिए अपने विद्यालय का नाम जानने का मैं कई दिनों से बेसब्री से इंतजार कर रही थी। मन में बार-बार यही उत्सुकता थी कि मुझे कौन-सा विद्यालय मिलेगा और वह कैसा होगा। जिस दिन कॉलेज में विद्यालयों की सूची पढ़ी जा रही थी, मैं बड़ी आतुरता से अपना नाम सुनने का इंतजार कर रही थी। जैसे ही मेरा विद्यालय घोषित हुआ, मैं बहुत खुश हुई और वहाँ जाने को बेहद उत्सुक भी।

अगले ही दिन हम सभी अपने-अपने समूह के साथ विद्यालय देखने निकले। नाव से जाते हुए सभी के चेहरों पर खुशी और उत्साह साफ झलक रहा था। दूसरे दिन हम पूरी तैयारी के साथ—चॉक, पेपर और पेंसिल लेकर—अपने विद्यालय पहुँचे।

यह दिन मेरे लिए बहुत ही खास और यादगार रहा, क्योंकि उसी दिन विद्यालय में **शिक्षक दिवस** मनाया जा रहा था। विद्यार्थी स्वयं शिक्षक बनकर कक्षाएँ संभाल रहे थे। यह दृश्य मैंने पहली बार देखा था और यह अनुभव मेरे लिए अत्यंत अनोखा था।

कक्षा में पढ़ाते समय मुझे बहुत अच्छा लगता था, हालांकि छात्रों की संख्या अधिक होने के कारण चुनौती भी रहती थी। फिर भी, विद्यार्थियों और शिक्षकों ने मुझे पूरा सहयोग दिया। शिक्षण अभ्यास के दौरान आने-जाने में भी कोई कठिनाई नहीं हुई और हमारा पूरा समूह एक-दूसरे का समर्थन करता रहा। इसी कारण हम 30 दिनों का शिक्षण अभ्यास सफलतापूर्वक पूर्ण कर पाए।

इन 30 दिनों में मैंने बहुत कुछ सीखा—

- कक्षा को मैनेज करना
- अनुशासन बनाए रखना
- एक शिक्षक के गुणों को अपनाना
- बच्चों को विषय-वस्तु में रुचि दिलाना
- और उनके भीतर से अज्ञान का अंधकार दूर कर प्रकाश की ओर ले जाना

शिक्षण अभ्यास का यह अनुभव मेरे जीवन के सबसे यादगार क्षणों में से एक बनेगा। यह केवल एक अभ्यास नहीं था, बल्कि एक शिक्षक बनने की दिशा में मेरा मजबूत कदम था।

**मेरी सुमनटोप्पो**
**द्वितीय वर्ष 'ए'**

### शिक्षण अभ्यास का अनुभव

जब हमें नए-नए विद्यालयों में शिक्षण अभ्यास के लिए भेजा गया, तो मन में उत्सुकता और कई प्रकार के प्रश्न थे—विद्यालय कैसा होगा, बच्चे कैसे होंगे, वातावरण कैसा होगा? इन्हीं उत्साहित भावनाओं के साथ हम अपने-अपने विद्यालय की ओर निकल पड़े।

मुझे कक्षा में पढ़ाने में बहुत आनंद आता था। बच्चों के मुस्कुराते चेहरे देखकर ऐसा लगता था कि वे सचमुच मुझसे कुछ नया सीखने की उम्मीद लेकर आते हैं। उनके स्तर के अनुसार पढ़ाना थोड़ा कठिन था, लेकिन धीरे-धीरे मैंने उन्हें सरल तरीके से समझाना सीख लिया और वे भी अच्छी तरह सीखने लगे। जीवन में आगे बढ़ने के लिए पूर्व तैयारी अत्यंत आवश्यक है, ताकि किसी भी कठिन स्थिति में हम डटकर सामना कर सकें। शिक्षण अभ्यास ने मुझे यह भी सिखाया कि परिस्थितियाँ कैसी भी हों—हमें खुद को उनमें ढालना चाहिए।

यह अनुभव मेरे जीवन के सबसे यादगार पलों में से एक रहेगा। बच्चों के साथ बिताया हर क्षण मेरे दिल में एक सुंदर याद बनकर बस गया है। सचमुच, शिक्षक केवल शिक्षक नहीं होते—वे बच्चों के अच्छे मित्र और मार्गदर्शक भी होते हैं।

**प्रीति केरकेट्टा**
**द्वितीय वर्ष 'ब'**

### शिक्षण अभ्यास का अनुभव

शिक्षण अभ्यास के लिए हमें अलग–अलग दलों में बाँटा गया, और मेरा नाम जिस विद्यालय के लिए पुकारा गया, वहाँ जाने को लेकर शुरू में थोड़ी हिचक थी। परंतु स्वामी विवेकानंद के प्रेरणादायक शब्द— *"खुद को सबल मानोगे तो सबल बन जाओगे"*—ने मुझे सकारात्मक सोच दी।

आरंभ में कक्षा नियंत्रण, विशेषकर छोटी कक्षाओं में, चुनौतीपूर्ण था, लेकिन कुछ ही दिनों में बच्चे अनुशासित और सहयोगी हो गए। इस दौरान मैंने समय प्रबंधन, कक्षा प्रबंधन, और स्कूल संचालन के अनेक पहलुओं को practically सीखा। विभिन्न कार्यक्रमों में भाग लेकर मेरा आत्मविश्वास और अनुभव दोनों बढ़े।

यह शिक्षण अभ्यास मेरे जीवन का प्रेरणादायक अनुभव रहा, जिसने मुझे कठिन परिस्थितियों में धैर्य, समाधान–क्षमता और एक शिक्षक की वास्तविक जिम्मेदारियों को समझने में मदद की। यह अनुभव भविष्य में मुझे बेहतर कार्य करने के लिए प्रेरित करता रहेगा।

**निर्मला डिग्गी**
**द्वितीय वर्ष 'अ'**

### शिक्षण अभ्यास का अनुभव

दिनांक **08-09-2025** से हमारा शिक्षण अभ्यास शुरू हुआ, लेकिन पहले विद्यालय में स्टाफ के असहयोगी व्यवहार के कारण वहाँ पढ़ाना कठिन हो गया। फादर अनीश और सर कुलदीप की मदद से हमें दूसरा विद्यालय मिला, और **11-09-2025** को हम *उत्क्रमित उच्च विद्यालय, बभनबै* में शामिल हुए।

नए विद्यालय में शिक्षक सहयोगी थे और वातावरण सकारात्मक था। हमें कक्षा 8 तक के बच्चों की जिम्मेदारी मिली। बच्चे बहुत उत्साहित थे क्योंकि पहली बार प्रशिक्षु शिक्षक उनके विद्यालय आए थे। धीरे-धीरे हमने वातावरण को समझकर शिक्षण कार्य को अच्छे से संभाल लिया।

यह अनुभव मेरे लिए सीखों से भरा रहा—कठिन परिस्थितियों से निकलकर बेहतर माहौल में नई शुरुआत करना, धैर्य रखना, और स्वयं को परिस्थिति के अनुसार ढालना। यह अभ्यास मेरे आत्मविश्वास और शिक्षण कौशल को मजबूत करने वाला साबित हुआ।

**अलिशा बड़ा**
**द्वितीय वर्ष 'अ'**

### शिक्षण अभ्यास का अनुभव

दिनांक **8/9/25** से लेकर **4/11/25** तक हमने अपना शिक्षण अभ्यास सफलतापूर्वक पूरा किया। हमारे समूह के सभी प्रशिक्षणार्थी प्रतिदिन हज़ारीबाग से विद्यालय आते-जाते थे। विद्यालय पहुँचते ही हम सबसे पहले स्कूल की सफाई करते और फिर प्रार्थना करवाते थे।

स्कूल में बच्चों की मुस्कान देखकर मेरी सारी थकान और चिंता दूर हो जाती थी। उन्हें पढ़ाना, नचाना और उनके साथ समय बिताना मुझे बहुत अच्छा लगता था। हमने उन्हें कई नई–नई चीजें सिखाईं और उनसे भी बहुत कुछ सीखने को मिला। वहाँ के शिक्षकों ने हमें हर कदम पर सहयोग और प्रोत्साहन दिया। वे हमेशा हमारी मदद करते थे। हमारे शिक्षण अभ्यास को सफल बनाने में उनका बहुत बड़ा योगदान रहा। शिक्षकों और बच्चों के स्नेह, प्यार और सहयोग के कारण हम सबका उनसे गहरा लगाव हो गया था।

अंतिम दिन जब विद्यालय छोड़ने का समय आया तो मन बिल्कुल नहीं कर रहा था। फिर भी यह सोचकर आगे बढ़े कि **हर अंत एक नई शुरुआत होती है**। यह अनुभव मेरे जीवन का एक महत्वपूर्ण और यादगार अध्याय बन गया, जिसने मुझे आत्मविश्वास, अनुशासन, जिम्मेदारी और शिक्षण कौशल सिखाया।

**लीमा तिर्की**
**द्वितीय वर्ष 'अ'**

### शिक्षण अभ्यास का अनुभव

मेरा शिक्षण अभ्यास 08/09/25 से शुरू हुआ। इस बार मुझे जिस विद्यालय में भेजा गया, वहाँ पहुँचकर मुझे बहुत खुशी हुई, क्योंकि इस स्कूल में बच्चों की संख्या अच्छी थी और वातावरण भी शिक्षण के अनुकूल था। विद्यालय पहुँचने के बाद हमें शिक्षकों का पूरा सहयोग मिला। धीरे–धीरे ऐसा लगने लगा कि हम इसी स्कूल के शिक्षक हों, क्योंकि विद्यालय के सभी शिक्षक हमें सम्मान देते थे और हर काम में हमारा मार्गदर्शन करते थे। जब हम बच्चों को पढ़ाने लगे तो ऐसा महसूस हुआ कि हम वास्तव में शिक्षक बन गए हैं। बच्चों को पढ़ाते समय जो आत्मविश्वास मिला, वह मेरे लिए बहुत प्रेरणादायक रहा। इस विद्यालय में मुझे अपनी कला दिखाने का भी पूरा अवसर मिला। मैं नृत्य में अच्छी हूँ, इसलिए मैंने बच्चों को नाच भी सिखाया और स्कूल में होने वाले कार्यक्रमों के लिए सजावट सामग्री तैयार करने में भी सहयोग किया।

हमारी मेहनत देखकर सभी शिक्षक बहुत खुश हुए। वे हमें यह तक कहने लगे कि "आप लोग हमें भी ये सब सिखाकर जाइए।" यह सुनकर हमें बहुत अच्छा लगा। इससे हमारा मनोबल बढ़ा और लगा कि हमारा प्रयास सफल हो रहा है। यह शिक्षण अभ्यास मेरे लिए एक यादगार और प्रेरणादायक अनुभव रहा। इसने मुझे न केवल शिक्षण कौशल सिखाया, बल्कि आत्मविश्वास, जिम्मेदारी और विद्यालय के वातावरण में काम करने की आदत भी विकसित की।

**प्रिया एक्का**
**द्वितीय वर्ष 'अ'**

### शिक्षण अभ्यास का मेरा अनुभव

दिनांक 08/09/25 से मुझे संत इलिजाबेथ बालिका, हजारीबाग में शिक्षण अभ्यास का अवसर मिला, जो मेरे लिए बेहद खुशी की बात थी। विद्यालय का स्वच्छ वातावरण, अनुशासन, शांत माहौल और बच्चों की सक्रियता ने मुझे बहुत प्रभावित किया। शिक्षिकाएँ भी अत्यंत सहयोगी थीं, जिनके मार्गदर्शन से मेरा शिक्षण अभ्यास सरल और सफल बन गया।

बच्चों की उपस्थिति, सीखने की रुचि और उनकी मुस्कान मेरे लिए प्रेरणा का स्रोत रही। पढ़ाई के साथ-साथ खेल, संगीत और गतिविधियों में बच्चों के साथ बिताया समय बहुत सुखद रहा। कुछ ही दिनों में मेरा विद्यालय और बच्चों से गहरा लगाव हो गया।

देखते ही देखते 30 दिन का शिक्षण अभ्यास समाप्त हो गया। अंतिम दिन बच्चों की विदाई ने मुझे भावुक कर दिया। यह अनुभव मेरे जीवन की अविस्मरणीय और मूल्यवान यादों में हमेशा बना रहेगा।

**अस्मिता लकड़ा**
**द्वितीय वर्ष 'अ'**

## Soft Skills और Hard Skills: आधुनिक शिक्षा व रोजगार की अनिवार्य दक्षताएँ

आज के प्रतिस्पर्धी युग में केवल ज्ञान या डिग्री ही पर्याप्त नहीं होती। वास्तविक प्रगति के लिए दो प्रकार की कौशलों का संतुलित विकास आवश्यक है—**Soft Skills** और **Hard Skills**। ये दोनों किसी भी विद्यार्थी, शिक्षक या पेशेवर के व्यक्तित्व और कार्यक्षमता को पूर्णता प्रदान करते हैं।

### Hard Skills (कठोर कौशल)

Hard Skills वे तकनीकी एवं व्यावहारिक कौशल हैं जिन्हें प्रशिक्षण, शिक्षा या अनुभव के माध्यम से सीखा जाता है। ये कौशल किसी विशेष कार्य, नौकरी या पेशे में दक्षता प्राप्त करने के लिए आवश्यक होते हैं।

#### Hard Skills की विशेषताएँ

- इन्हें मापा और परखा जा सकता है।
- ये कौशल प्रमाणपत्र, परीक्षा, डिग्री या टेस्ट द्वारा सिद्ध किए जा सकते हैं।
- किसी भी पेशे का तकनीकी आधार Hard Skills पर ही टिका होता है।

#### Hard Skills के उदाहरण

- कंप्यूटर संचालन (MS Office, Excel, Internet उपयोग)
- प्रोग्रामिंग, टाइपिंग, डेटा एंट्री
- शिक्षण कौशल (Lesson Planning, TLM Preparation, Classroom Management)
- तकनीकी कौशल (Machine Operation, Accounting, Designing)
- विषय-विशेष ज्ञान (गणित, विज्ञान, भाषा, सामाजिक विज्ञान)

#### Hard Skills का महत्व

इन कौशलों से व्यक्ति को नौकरी पाने, काम करने और पेशेवर लक्ष्यों को पूरा करने में सीधे सहायता मिलती है।

### Soft Skills (सॉफ्ट स्किल्स)

Soft Skills वे व्यक्तिगत एवं सामाजिक कौशल हैं जो व्यक्ति के व्यवहार, संचार, सोच और संवाद शैली को प्रभावित करते हैं। ये कौशल स्वभाव, व्यक्तित्व और व्यवहार से अधिक जुड़े होते हैं।

#### Soft Skills की विशेषताएँ

- इन्हें नापना कठिन होता है, पर प्रभाव बहुत गहरा होता है।
- ये किसी भी टीम, संस्था या समाज में सफलता के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण हैं।
- Soft Skills व्यक्ति के द्वारा दूसरों के साथ काम करने की क्षमता को मजबूत बनाती हैं।

#### Soft Skills के उदाहरण

- **Communication Skill (संचार कौशल)**
- **Teamwork (टीम में काम करने की क्षमता)**
- **Leadership (नेतृत्व क्षमता)**
- **Time Management (समय प्रबंधन)**
- **Problem Solving (समस्या समाधान कौशल)**
- **Creativity & Critical Thinking (रचनात्मक और आलोचनात्मक सोच)**
- **Empathy (सहानुभूति), Patience (धैर्य), Positive Attitude (सकारात्मक सोच)**

#### Soft Skills का महत्व

- ये व्यक्ति को दूसरों के साथ बेहतर तरीके से जोड़ते हैं।
- कार्यस्थल का वातावरण बेहतर बनाते हैं।
- व्यक्तित्व में परिष्कार लाते हैं और नेतृत्व क्षमता को विकसित करते हैं।
- किसी भी पेशे में दीर्घकालीन सफलता Soft Skills पर निर्भर होती है।

### 3. Soft Skills और Hard Skills: एक-दूसरे के पूरक

अक्सर कहा जाता है—

**"Hard Skills आपको नौकरी दिलाते हैं, Soft Skills आपको सफलता दिलाते हैं।"**

- यदि Hard Skills वाहन हैं, तो Soft Skills उसका ईंधन।
- यदि Hard Skills कार्य करने की क्षमता है, तो Soft Skills उसे प्रभावशाली रूप से पूरा करने की कला है।

शिक्षा, प्रशासन, तकनीकी क्षेत्र, व्यापार या सेवा—हर क्षेत्र में Soft और Hard दोनों कौशल समान रूप से आवश्यक हैं।

---

### निष्कर्ष

Soft Skills और Hard Skills के संतुलित विकास से ही किसी व्यक्ति का संपूर्ण व्यक्तित्व निर्माण होता है। आज के समय में विद्यालयों, महाविद्यालयों और प्रशिक्षण संस्थानों में इन दोनों प्रकार की कौशलों का विकास कराना अत्यंत आवश्यक है, ताकि विद्यार्थी भविष्य की चुनौतियों के लिए तैयार हो सके और समाज का जिम्मेदार, सक्षम एवं सफल सदस्य बन सके।